एकल संदेश

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्

EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

Registered Under IICA
ISO 9001 : 2008 (QMS)

एकल विद्यालय

महिला समिति

चतुर्थ संस्करण
त्रैमासिक

जनवरी – मार्च, 2021

एकल के राम

एकल अभियान के प्रणेता माननीय श्याम गुप्त जी का कथन है कि – "तुम मुझे समय दो मैं तुम्हे सपनों का भारत दूंगा।"

श्रीमती मंजू श्रीवास्तव (प्रधान, एकल संस्थान)

एकल की लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढती जा रही है, एकल विद्यालय को लेकर लोगों के मन में जिस तरह का उत्साह बना हुआ है उसे देखकर लगता है कि वो दिन दूर नही जब एकल विद्यालय अपना लक्ष्य पूर्ण कर लेगा और समाज का प्रत्येक बच्चा ज्ञान से प्रकाशित होगा। समाज के निर्माण के लिए समाज के लोगों को ही आगे आना पड़ता है और उसी दिशा में एकल सकारात्मक सोच के साथ निरंतर कार्यरत है।

दर्शना गोयल (अध्यक्षा, राष्ट्रीय महिला समिति)

एकल के राम कार्यक्रम की एक अनूठी आभा अभी तक हमारे मानस पटल पर छाई हुई है। कार्यक्रम के प्रचार और प्रसार में महिला समिति ने अथक प्रयास किए जिसके परिणाम स्वरूप वृहद स्तर पर लोग इस कार्यक्रम से जुड़े । कार्यक्रम में इतना आकर्षण था कि कोइ भी स्वयं को इस से दूर नहीं रख पाया। मुझे आशा ही नहीं विश्वाश है कि इस प्रकार के कार्यक्रम से एकल अभियान नई ऊचाईयों को छुएगा ।

श्रीमती सोनल रासीवासिया (प्रधान, राष्ट्रीय महिला समिति)

एकल के राम कार्यक्रम में डॉ. कुमार विश्वाश जी की प्रस्तुति ने मन को अभिभूत कर दिया । इस कार्यकम के माध्यम से भगवान् श्री राम के बारे में और नई जानकारी प्राप्त हुई, जिन्हें हम नहीं जानते थे । संस्था को अधिकतम लोगो तक पहुचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन आगे भी करते रहना चाहिए । मै आभारी हूँ कि महिला समिति की सदस्यों ने भी कार्यक्रम को चैप्टर स्तर पर सफल बनाने में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया

गाँवों को रोशन करती एकल अभियान की योजनाएं

शिव ब्रिगेड (हनुमान परिवार)	किसी भी देवी देवता की पूजा करने वाले परिवारो को एक साथ लाना और उन्हें आपस में जोड़ना।
दुर्गा ब्रिगेड (गौरक्षा परिवार)	अनुपयोगी गायों को सुरक्षा प्रदान करना।
युवा ब्रिगेड (स्वावलम्बन)	देश के युवाओं को सही दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देना ताकि वे देश के लिए समाज के लिए कार्य कर सकें।
शबरी परिवार	आर्थिक रूप से कम सम्पन्न परिवारों को गले लगाना।
सैनिक सम्मान	बार्डर पर तैनात भाई, शहीद के परिवार और सेवानिवृत्त जवानों को सम्मानित करना।
व्यास कथाकार	गाँवों में जागृति एवं संस्कार शिक्षा हेतु कार्यरत

गाँवों का सर्वांगीण विकास करती एकल की योजनाएँ

प्राथमिक शिक्षा– एकल अभियान द्वारा ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के बच्चों को पढ़ना, लिखना एवं जोड़ना घटाना आदि सिखाया जाता है, जिसमें बच्चों को खेल के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा देने का कार्य किया जाता है।

स्वास्थ्य शिक्षा : स्वास्थ्य के लिए जागरूकता लाने में एकल प्रतिपल योगदान कर रहा है : जिसमें व्यक्तिगत स्वच्छता, स्थानीय स्वच्छता, पोषण रोग पहचान, मात्र एवं बाल स्वास्थ्य रोग पहचान आदि के बारे में बताया जाता है

स्वच्छता : सोख्ता गड्ढा गाँव में घरेलू कार्यों में उपयोग किए गये पानी को इधर उधर फैलने से रोकने के लिए सोख्ता गड्ढा बनाया जाता है, ताकि मच्छर एवं अन्य बिमारियों से बचा जा सके।

वृक्षारोपण– गाँव में वृक्षारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ रखने का कार्य किया जाता है।

पोषण वाटिका– स्वस्थ्य शरीर के लिए स्वस्थ भोजन होना आवश्यक है, इसलिए एकल ग्रामों में प्रत्येक घर में पोषण वाटिका लगाई जाती है जिससे पौष्टिक फल सब्जी मिल सके।

ग्रामोत्थान

जैविक खेती: पौष्टिक फल सब्जी एवं अनाज के लिए जैविक खेती बहुत जरुरी है, जैविक खेती से खेत की उर्बरा शक्ति भी बनी रहती है।

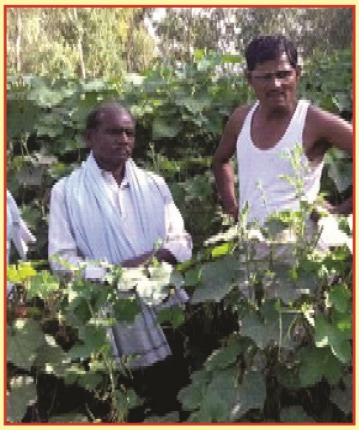

संस्कार शिक्षा : हमारा समाज शिक्षा के साथ संस्कारित हो इसके लिए भी कार्य किया जाता है, जिसमें सामाजिक व्यवहार, समाज के लिए समर्पण,माता पिता का सम्मान, पारंपरिक चेतना आदि के बारे में बताया जाता है।

जागरूकता पंचायत कार्य– एकल अभियान द्वारा ग्रामीण परिवारों को उनके अधिकारों के बारे में बताया जाता है। सरकार की जन लाभकारी योजनाओं की जानकारी प्रचार प्रसार, मतदान एवं पंचायती राज के बारे में जागरूक किया जाता है।

सम्पादक की कलम से

माधुरी अग्रवाल
(उपाध्यक्षा, राष्ट्रीय महिला समिति चैप्टर डेवलपमेंट)

मुझे एक प्रसंग याद आ रहा है... एक महिला ने दुकान पर जाकर अंगूर का भाव पूछा। गुच्छे में जुड़े अंगूरों का भाव 100 रुपये प्रति किलो था । उसने कुछ मूल्य कम करने के लिए कहा तो दुकानदार ने कहा कि यह इसी गुच्छे के टूटे हुए अंगूर हैं ... जो टोकरी में रखे हैं । यह 80 रुपये किलो दे सकता हूं। वह महिला तुरंत समझ गई कि संगठन का क्या महत्व है और क्या मूल्य है।

संगठित होकर राष्ट्र हित के लिए व्यक्ति तभी बड़ी सोच बना सकता है.. जब वह अपनी इच्छाओं, मोह और लोभ को छोड़कर मन को नियंत्रित करे।

महर्षि वेदव्यास जी ने ग्रंथों का मूल तत्व दिया है ....

परोपकाराय पुण्याय, पापाय पर पीड़नम्।

पुण्य....लोकहित करना,

पाप ..... किसी को कष्ट देना।

आइए एकल से जुड़ें राष्ट्र हित के लिए कार्य करें, तन, मन, समय, श्रम, धन ... का दान दें।

धन्य हैं वो लोग जिनके शरीर दूसरों की सेवा करने में नष्ट हो जाते हैं।

महिला समिति के कार्यरत चैप्टर

उत्तरी दिल्ली चैप्टर,– सैनिक सम्मान कार्यक्रम– एकल भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा रविवार, 28 फरवरी 2021 को भारत के वीर सपूतों के लिए सैनिक सम्मान समारोह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

स्वावलम्बन कार्य कानपुर चैप्टर द्वारा बहनों के स्वावलंबन के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं–

- दोना मेकिंग मशीन
- सिलाई मशीन
- ब्यूटीशन सेंटर
- गॉवों के बच्चों के लिए लाईब्रेरी खोल कर उन्हें पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है।
- पोषण वाटिका

रुद्रपुर चैप्टर

सैनिक सम्मान कार्यक्रम रुद्रपुर चैप्टर महिला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश की आन बान और शान की रक्षा के लिए समर्पित हमारे जवानों को एवं शहीद परिवारों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया

वनयात्रा– भारत लोक शिक्षा परिषद् एकल अभियान द्वारा संचालित एकल विद्यालय रुद्रपुर चैप्टर द्वारा एकल विद्यालय की वनयात्रा की गयी, जिसमें महिला समिति ने भाग लिया और इसे खूब सराहा भी।

पूर्वी दिल्ली चैप्टर

ऑनलाईन देवी मंदिर दर्शन –एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्, पूर्वी दिल्ली चैप्टर द्वारा शक्ति पीठ पूर्णागिरी माँ के दर्शन एवं हिंगला माता के दर्शन किए गए। नवरात्र के अवसर पर माँ पूर्णागिरी के दर्शन का अवसर प्राप्त कर सभी लोग कृतार्थ हुए।

लखनऊ चैप्टर – एकल कार्निवल

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर द्वारा भव्य रूप से मनाया गया एकल के राम कार्यक्रम

जम्मू चैप्टर : सत्संग द्वारा एकल परिवार में नए सदस्यों को जोड़ने का प्रयास

वाराणसी चैप्टर वनयात्रा द्वारा एकल विद्यालय और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत जुड़ाव

दक्षिणी दिल्ली चैप्टर से
श्रीमती वंदना मिंडा जी (प्रधान) का अनुभव कथन

मुझे "एकल के राम" कार्यक्रम बहुत ही अच्छा लगा। कुमार विश्वास की कही बातें मन को छूने वाली थीं। जो वाक्य मुझे सबसे अच्छा लगा वह थी कि राम और रावण में मुख्य अंतर।

राम को जो प्राप्त था वह उनके लिए पर्याप्त था और रावण को जो प्राप्त था वह उसके लिए पर्याप्त नहीं था। आइए हम सब इसी आदर्श के साथ एकल से जुड़ें और जो हमें प्राप्त है वह हम अपनों में बाँटें। एकल के इसी प्रयास के कारण गाँव में बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा दी जा रही है। अगर एकल के कुछ बच्चे किसी अच्छे मुक़ाम पर पहुँचते हैं तो इसमें हम सबकी जीत है। हम सब मिलकर इस कोशिश में रहे कि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को एकल के बारे में बताएँ ताकि वे भी इतनी अच्छी संस्था से जुड़े। मुझे उम्मीद है कि हम सभी अपनी अपनी तरह से भरसक सहयोग देंगे।

Sponsor 1 student – 1 Year – Rs. 1000/-
Sponsor 1 Village – 1 Year – Rs. 22000/-

Donate online

Online payment through *Website* - *www.blspindia.org*
Through Debit Card/ Credit Card

Donate Now

Paytm online through website - *Paytm QR code*

Pay online through *NEFT/RTGS*

Bank Name: Union bank of India,Branch : Shalimar Bagh, Delhi, **Account Name**: Bharat Lok Shiksha Parishad , **A/C NO.** 467902050000186, **IFSC code:** UBIN0546798

Crowd Funding Donation Link : https://rb.gy/jka5pj-

Follow us on

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी वेबसाइट www.blspindia.org मोबाइल नंबर–9999399063 पर सम्पर्क करें एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु भारत लोक शिक्षा परिषद् A/C No: 467902050000186, IFSC Code : UBIN 0546798 Union Bank of India,

प्रकाशक : एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक : श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपाध्यक्षा, चैप्टर डेवलपमेंट महिला समिति)
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
जी आई–17, जी.टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
Email : media@blspindia.org, administration@blspindia.org
Website : www.blspindia.org